Speaking Tree Blog (1025.02)

<u>पञ्च महाभूत तत्व की उत्पत्ति</u>

शास्त्रों की अनुसार:
भगवान् सूर्य के तीन पाद अमृत हैं, अर्थात कभी नष्ट न होने वाले हैं. एक चतुर्थ पाद से ही वह दृश्य हैं. सूर्य भगवान् ने ब्रह्मा को संसार की सृष्टि के लिए उत्पन्न किया.

ब्रह्मा के मन से आकाश, आकाश से वायु, वायु से अग्नि, अग्नि से जल और जल से पृथ्वी की क्रमशः उत्पत्ति हुई. एक-एक गुणों की वृद्धि से ये पाँचों पञ्च महाभूत कहे गए. अर्थात,

आकाश में एक गुण => शब्द
वायु में दो गुण => शब्द + स्पर्श
अग्नि में तीन गुण => शब्द + स्पर्श + रूप
जल में चार गुण => शब्द + स्पर्श + रूप + रस
पृथ्वी में पांच गुण => शब्द + स्पर्श + रूप + रस + गन्ध

==========
सुशील अग्रवाल

http://hindi.speakingtree.in/blog/%E0%A4%AA%E0%A4%9E%E0%A5%8D%E0%A4%9A-%E0%A4%AE%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%AD%E0%A5%82%E0%A4%A4-%E0%A4%A4%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%B5-%E0%A4%95%E0%A5%80-%E0%A4%89%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%AA%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%A4%E0%A4%BF-646700